



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 12]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 3, 1995/फाल्गुन 12, 1916

No. 12]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 3, 1995/PHALGUNA 12, 1916

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1995

आ. म. 12(अ).—यतः, लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन कराने के प्रयोजन से राष्ट्रपति ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 14 की उप-धारा (2) के अधीन जारी और भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-II, खण्ड-3, उप धारा (ii) में तारीख 19 अप्रैल, 1991 को प्रकाशित अधिसूचना के द्वारा बिहार राज्य के 24-पूर्णिमा संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र सहित सभी संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों (उनको छोड़कर जो जम्मू-कश्मीर राज्य में हैं) से यह अपेक्षा की थी कि वे उक्त सदन के लिए सदस्य निर्वाचित करें,

और यतः, निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 30 के अधीन 19 अप्रैल, 1991 को जारी अपनी अधिसूचना सं. 464/91 (1) के द्वारा इसके साथ-साथ 20 मई, 1991 को ऐसी तारीख के रूप में नियत किया जिसको यदि आवश्यक हुआ तो, उपर्युक्त 24-पूर्णिमा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से मतदान होगा,

और यतः, निर्वाचन आयोग को प्राप्त राज्य सरकार, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग आफिसर, प्रेक्षकों की रिपोर्टों पर आधारित सूचना और आयोग को उपलब्ध सूचना के अन्य अपेक्षित स्रोतों से, यह जानकारी प्राप्त हुई थी कि मतदान के दिन अर्थात् 20 मई, 1991 को वहाँ पर मतदान केन्द्रों पर कब्जा करके बूथ हथियाने, मतदान प्राधिकारियों की मतपत्रों के समर्पण करवाने, मतदान केन्द्रों पर जबरदस्ती अधिकार जमाने तथा मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं की सहज पहुँच को रोकने, निर्वाचकों को धमकाने और उन्हें अपने मतदान के लिए मतदान केन्द्रों में जाने से रोकने जैसी निर्वाचन कदाचार की घटनाएँ बड़े पैमाने पर घटी थीं और जिसके परिणामस्वरूप उक्त 24-पूर्णिमा संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र में मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से नहीं हुआ था,

और यतः, आयोग ने, संविधान के अनुच्छेद 324, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58, 58क, 135क और 153 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपने ता. 21-5-1991 के आदेश द्वारा उक्त 24-पूर्णिमा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन प्रत्यादिष्ट कर दिया था,

और यतः, आयोग के तारीख 21-5-1991 के उक्त आदेश को एक निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव द्वारा 1991 को रिट याचिका सं. 2378 में दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था,

और यतः, दिल्ली उच्च न्यायालय ने तारीख 9-1-95 के अपने निर्णय और आदेश द्वारा यह निदेश दिया कि 20-5-1991 को विद्यमान निर्वाचक नामावली के आधार पर समस्त संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में पुनर्मतदान कराया जाए, और इसे निर्वाचन आयोग के निर्णय के लिए छोड़ दिया कि संसदीय क्षेत्र किसी एक विशेष खण्ड में अथवा संपूर्ण क्षेत्र में पुनर्मतदान कराए।

अतः, अब आयोग एतद्वारा निम्न प्रकार से निदेश देता है —

1. सम्पूर्ण 24-पूरिया संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 15 मार्च, 1995 को नए सिरे से मतदान होगा।
2. नए सिरे से मतदान 7.00 प्रातः और 5.00 बजे सायं बीच होगा।
3. नए सिरे से मतदान निर्वाचन लड़ने वाले उन्हीं अभ्यर्थियों तक सीमित होगा जिनके नाम अभ्यर्थिताएं वापिस लेने के अन्तिम घंटों के बाद 29 अप्रैल, 1991 को रिटनिर्भर आफिसर द्वारा तैयार की गई निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची में सम्मिलित किए गए थे।
4. नए सिरे से मतदान उसी निर्वाचन नामावली के आधार पर होगा जो मूल मतदान वाले दिन अर्थात् 20-5-1991 को अस्तित्व में थी और नए सिरे से मतदान के उद्देश्य से उन नामावलियों में कोई परिवर्तन, यदि कोई हो, नहीं किया जाएगा।
5. नए सिरे से मतदान उन्हीं मतदान केन्द्रों पर किया जाएगा जहां मूल मतदान 20-5-1991 को हुआ था, यदि ऐसे किसी मतदान केन्द्र पर किन्हीं अपरिहार्य कारणों से नए सिरे से मतदान कराना सम्भव नहीं है, तो ऐसी स्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी, पूरिया 8 मार्च, 1995 तक, आयोग के पूर्व अनुमोदन से, प्रभावित मतदान केन्द्र के नए स्थान के बारे में निर्णय लेंगे।
6. नए सिरे से मतदान की समाप्ति के बाद मतों की गणना एवं परिणाम की घोषणा नियम/आदेशों एवं आयोग के इस सम्बन्ध में निर्देशों के अनुसार की जाएगी। मतों की गिनती 21 मार्च, 1995 को होगी।

[सं. 492/बिहार—लो. स./91 (5)]

आदेश से

अर्चना अरोड़ा, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 1995

O.N. 12(E).—Whereas for the purpose of holding a general election to the House of the People, the President had, by notification issued under sub-section (2) of section 14 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (ii), dated 19th April, 1991, called upon all the Parliamentary Constituencies (other than those within the State of Jammu and Kashmir), including 24-Purnea Parliamentary Constituency in the State of Bihar, to elect member of the said House; and

Whereas, the Election Commission vide its notification No. 464/91(1) dated 19th April, 1991 issued under section 30 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) had inter-alia fixed the 20th May, 1991, as the date on which poll shall, if necessary, be taken in the aforesaid 24-Purnea Parliamentary Constituency; and

Whereas, the Election Commission received information based on reports of the State Government, the Chief Electoral Officer of the State, the Returning Officer, the Observers, and other relevant sources of information available to the Commission that on the date of poll i.e. 20th May, 1991, there had been large scale incidents of electoral malpractices involving both capturing by seizure of polling stations, making polling authorities surrender the ballot papers, taking forcible possession of polling stations and prevention of free access to the voters for the purpose of voting, threatening electors and preventing them from going to the polling stations to cast their vote and that consequently the poll in the aforesaid 24-Purnea Parliamentary Constituency had not been free and fair; and

Whereas, the Commission vide its order dated 21-5-1991, in exercise of the powers conferred by Article 324 of the Constitution, sections 58, 58A, 135A and 153 of the Representation of the People Act, 1951, and all other powers enabling it in this behalf, countermanded the election from the said 24-Purnea Parliamentary Constituency; and

Whereas, the said order dated 21-5-1991 of the Commission was challenged before the High Court of Delhi in writ Petition No. 2378 of 1991 by one of the contesting candidates, Shri Rajesh Ranjan alias Pappu Yadav, and

Whereas, the High Court of Delhi, by its judgment and order dated 9-1-95 directed a repoll to be taken in 24-Purnea Parliamentary Constituency

on the basis of the same set of electoral roll and same contesting candidates which existed on 20-5-1991 and left it to the Election Commission to decide whether there should be repoll in all Assembly segments or in particular segment of the constituency,

Now, therefore, the Commission directs as follows :—

1. The fresh poll in entire P.C. of 24-Purnea shall be taken on 15th March, 1995.
2. The fresh poll shall be taken between 7 AM and 5 PM.
3. The fresh poll shall be confined to the same contesting candidates whose names were included in the list of contesting candidates prepared by the Returning Officer on 29th April, 1991 after the last hour for the withdrawal of the candidates.
4. The fresh poll shall be taken on the basis of the same electoral roll of the above mentioned 24 Purnea p.c. which

were in existence on the day of the original poll i.e. 20-5-1991 and no change, whatsoever shall be made in those rolls for the purpose of the fresh poll.

5. The fresh poll shall be taken at the same polling stations at which the original poll was taken on 20-5-1991, unless it is not possible to take the fresh poll at any such polling station for any unavoidable reasons, in which case the new location of the affected polling station shall be decided by the District Election Officer, Purnea, with the previous approval of the Commission latest by 8th March, 1995.
6. The counting of votes and declaration of result after the fresh poll is completed shall be done in accordance with the rules, orders and Commission's directions in this regard. The counting of votes shall be taken on 21-3-95.

[No. 492/BR -HP/91(5)]

By Order,
ARCHNA ARORA, Secy.

